

खेल जिसमें व्यक्ति एक निश्चित स्थान से अपने घोड़े दौड़ाता है, जिसका घोड़ा निर्धारित स्थान पर सबसे पहले पहुँचे वही घुड़दौड़ जीत जाता है 3. अश्वारोही सेना की परेड या कवायद।

घुड़नाल स्त्री. (देश.) एक प्रकार की तोप जो घोड़ों पर चलती है।

घुड़ला पुं. (देश.) 1. मिट्टी या किसी धातु या मिठाई का बना हुआ घोड़ा 2. कोई छोटी रस्सी या पतली जंजीर जिससे जहाज वाले अनेक काम लेते हैं।

घुड़साल स्त्री. (तद्.) घोड़ों के बाँधने का स्थान, अस्तबल, पैंडा।

घुड़ीदार पुं. (देश.) 1. जिसमें घुंडी लगी हो 2. एक प्रकार की सिलाई जिसमें एक टांके के बाद दूसरा टांका फंदा डाल कर लगाते हैं।

घुण पुं. (तद्.) दे. घुन।

घुन पुं. (तद्.) एक प्रकार का छोटा कीड़ा जो अनाज, पौधे और लकड़ी में लगता है इसकी अनेक प्रजातियाँ हैं, लकड़ी का घुन अनाज के घुन से भिन्न होता है मुहा. घुन लगना- घुन का अनाज या लकड़ी को खाना।

घुनघुना पुं. (अनु.) लकड़ी, पीतल इत्यादि का बना हुआ एक छोटा-सा खिलौना, जिसे लडके हाथ में लेकर बजाया करते हैं, इसका आकार गोल या लंबोतरा होता है, झुनझुना।

घुनना पुं. (देश.) घुन के द्वारा लकड़ी आदि का खाया जाना, किसी दोष के कारण किसी चीज का अंदर ही अंदर छीजना।

घुनाक्षर पुं. (तद्.) ऐसी कृति या रचना जो अनजाने में उसी प्रकार हो जाए, जिस प्रकार घुनों के खाते खाते लकड़ी में अक्षर की तरह के बहुत से चिह्न या लकीरें बन जाती हैं टि. इस न्याय का उक्ति का प्रयोग ऐसे स्थानों पर करते हैं, जहाँ किसी के द्वारा आकस्मिक कार्य हो जाता है जो उसे अभीष्ट न रहा हो।

घुनाक्षरन्याय पुं. (तद्.) दे. घुनाक्षर।

घुन्ना पुं. (अनु.) जो अपने क्रोध, द्वेष आदि भावों को मन ही में रखे और चुपचाप उनके अनुसार कार्य करे। मन-ही-मन बुरा माननेवाला, चुप्पा।

घुन्नी स्त्री. (अनु.) अपने मन का भाव गुप्त रखनेवाली, चुप्पी स्त्री. (तद्.) चुप्पी, मौन।

घुप पुं. (तद्.) गहरा अंधेरा, निबिड़-अंधकार।

घुमंतू वि. (देश.) बराबर इधर-उधर घूमनेवाला।

घुमँड़ना अ. क्रि. (देश.) दे. घुमड़ना।

घुमक्कड़ वि. (देश.) बहुत घूमनेवाला।

घुमटा पुं. (देश.) सिर का चक्कर जिसमें आँख के आगे अंधेरा आ जाता है और आदमी खड़ा नहीं रह सकता।

घुमड़ना अ. क्रि. (देश.) बादलों का घूम-घूम कर इकट्ठा होना, घने मेघों का छाना, बादलों का इधर उधर घने होकर जमना।

घुमड़ाना स. क्रि. (देश.) दे. घुमड़ना।

घुमड़ी स्त्री. (देश.) किसी केंद्र पर स्थित रह कर चारों ओर फिरने की क्रिया, कुम्हार के चाक की तरह घूमने की क्रिया 2. वह चक्कर जो इस प्रकार घूमने से लोगों के सिर में आता है 3. सिर में चक्कर आने का रोग जिसमें आँखों के आगे अंधेरा छा जाता है 4. परिक्रमा 5. पशुओं का एक रोग।

घुमरी स्त्री. (देश.) दे. घुमड़ी।

घुमनी स्त्री. (देश.) जो इधर-उधर घूमे फिरे।

घुमाना स. क्रि. (देश.) 1. चक्कर देना, चारों ओर फिराना 2. इधर-उधर टहलाना, सैर कराना 3. किसी ओर प्रवृत्त करना, ऐंठना।

घुमाव पुं. (देश.) फेर, चक्कर, घूमने या घुमाने का मान।

घुमावदार वि. (देश.) चक्करदार, जिसमें कुछ घुमाव-फिराव हो।

घुमेर पुं. (देश.) फेर, चक्कर, बेसुधी।

घुर पुं. (तद्.) घूर का समासगत रूप।

घुरकना पुं. (अ. क्रि.) दे. घुड़कना।

घुरका पुं. (अनु.) चौपायों की एक बीमारी।